INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII-2nd Lang.	Department: Hindi	Class Work
LESSON-5 -अपूर्व अनुभव	Topic: प्रश्नोतर, व्याकरण	Note: Pl File in portfolio

अति लघु प्रश्न

प्रश्न-1 यासुकी-चान किस बीमारी से पीड़ित था?

उत्तर - यासुकी-चान पोलियो नाम की बीमारी से पीड़ित था|

प्रश्न-2 यासुकी-चान का घर कहाँ था?

उत्तर - यासुकी-चान का घर डेनेनचोफु में था।

प्रश्न-3 तोमोए में पेड़ को बच्चे कैसी संपत्ति मानते थे?

उत्तर - तोमोए में पेड़ को बच्चे अपनी निजी संपत्ति मानते थे।

प्रश्न-4 तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में किसे बताया?

उत्तर - तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में रॉकी को बताया।

प्रश्न-5 तोत्तो-चान और यासुकी-चान किस पहलवान की बातें कर रहे थे?

उत्तर - तोत्तो-चान और यासुकी-चान सूमो पहलवान की बातें कर रहे थे|

प्रश्न-6 तोत्तो-चान की क्या इच्छा थी?

उत्तर - तोत्तो-चान की यह हार्दिक इच्छा थी कि यासुकी-चान उसके पेड़ पर चढ़े।

लघु प्रश्न-

प्रश्न-1 तोत्तो-चान ने कौन सा साहस भरा काम किया था?

उत्तर - तोत्तो-चान ने अपने पोलियो ग्रस्त मित्र यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ा कर साहस भरा काम किया था।

प्रश्न-2 यासुकी-चान किसी पेड़ को अपनी निजी संपत्ति क्यों नहीं मानता था?

उत्तर - यासुकी-चान किसी पेड़ को अपनी निजी संपत्ति इसलिए नहीं मानता था, क्योंकि वह

पोलियो से ग्रस्त था, वह किसी पेड़ पर नहीं चढ़ पाता था इसलिए वह किसी पेड़ को अपनी निजी संपत्ति नहीं मानता था।

प्रश्न-3 तोत्तो-चान किस उद्देश्य से घर से निकली थी**?**

उत्तर- तोत्तो-चान अपने पोलियोग्रस्त मित्र यासुकी-चान से मिलने स्कूल जा रही थी। तोत्तो-चान ने उससे वादा किया था कि वह उसे अपने पेड़ पर चढ़ाएगी। इसी वायदे को पूरा करने के लिए वह घर से निकली थी।

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न-1 अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे क्यों थीं?

उत्तर - तोत्तो-चान ने अपनी माँ से झूठ कहा था कि वह यासुकी-चान के घर जा रही है। असल में वह यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए लेकर जा रही थी। उसे डर था कि अगर उसने माँ की ओर देखा तो माँ उसकी चोरी पकड़ लेगी और उसे नहीं जाने देगी। इसी डर के कारण झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे थी।

प्रश्न-2 विकलांगों के प्रति हमारी सोच कैसी होनी चाहिए**? (**मूल्यपरक प्रश्न**)**

उत्तर**-** विकलांग हमारे समाज के आवश्यक अंग हैं। उन्हें सम्मानपूर्वक जीने का पूरा-पूरा अधिकार है। हमें उन पर सहानुभूति दिखाने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्ण कोशिश करना चाहिए। हमें उनके साथ कुछ समय बिताना चाहिए ताकि उन्हें अकेलापन का अहसास न हो। उनके प्रति हमारा विशेष उत्तरदायित्व है कि उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएँ मिलनी चाहिए|

****

व्याकरण भाग-

प्रश्न-1 निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम भरिए/ छाँटकर लिखिए|

1- कल हम बाज़ार गए थे|

2- मैं कक्षा सात का छात्र हूँ|

3- उनका घर पास में नहीं है|

4- रमा किताब में कुछ लिख रही है|

5- अजय की छत पर कोई खड़ा है|

6- जो जैसा करता है, वैसा भरता है|

7- कल नानी के घर कौन जाएगा?

8- किरण! कल तुम स्कूल आ जाना|

9- यह चित्र उसने अपने–आप बनाया है|

10- तुम्हारा नाम क्या है?

प्रश्न-2 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए:-

1. अशुद्ध रूप - राधा ने पत्र को पढ़ा|
   शुद्ध रूप : राधा ने पत्र पढ़ा।

2. अशुद्ध रूप - मैंने अपना ग्रह कार्य कर लिया है।
   शुद्ध रूप - मैंने अपना गृहकार्य कर लिया है।

3. अशुद्ध रूप - कल मैंने नया पुस्तक ख़रीदा।
   शुद्ध रूप - कल मैंने नई पुस्तक खरीदी।

4. अशुद्ध रूप - भिखारी को थोड़ा चावल दे दो
   शुद्ध रूप - भिखारी को थोड़े चावल दे दो।

5. अशुद्ध रूप - रमा को काटकर आम खिलाओ|
   शुद्ध रूप - रमा को आम काटकर खिलाओ ।)

6. अशुद्ध रूप - यह पुस्तक आपको कहाँ मिली।
   शुद्ध रूप - यह पुस्तक आपको कहाँ मिली?

7. अशुद्ध रूप - दूध में कौन गिर गया?

शुद्ध रूप - दूध में क्या गिर गया?

8. अशुद्ध रूप - राम और सीता वन को गई।

शुद्ध रूप - राम और सीता वन को गए।

प्रश्न-3 वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए –

1- जो करने योग्य न हो – अकरणीय

2- जिसे कभी बुढ़ापा न आए – अजर

3- जो बात पहले कही न हो – अनकही

4- जिसका आदि न हो - अनादि

5- जिसका कोई मालिक न हो – अनाथ

6- श्रेष्ठ कुल में जन्म लेने वाला – कुलीन

****